UNIVERSITY NEWS 03 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

लवि : विद्यार्थियों को स्नातक के चौथे वर्ष में मिलेंगे तीन विकल्प

रिसर्च, एंटरप्रिन्योरशिप व आनर्स की अर्हता व पात्रता शर्तें तय

7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों को भी मिलेगा चौथा वर्ष पूरा करने का अवसर

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में चार वर्षीय स्नातक के अंतिम यानी चौथे वर्ष में विद्यार्थियों को तीन विकल्प मिलेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 'स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे' के अनुरूप ने लवि ने यह व्यवस्था लागू की है।

लवि सत्र 2021-22 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। अभी तक चौथे वर्ष में केवल 'यूजी आनर्स विद रिसर्च' का विकल्प था, जिससे 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थी वंचित रह जाते थे। अब नए विकल्पों के जुड़ने से विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता व रुचि के आधार पर तीन अलग-अलग विकल्प उपलब्ध होंगे। यूजी आनर्स विद रिसर्च में पहले छह सेमेस्टर में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए (या 75 प्रतिशत अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है। यह विकल्प केवल उन मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए है, जो अकादमिक शोध में रुचि रखते हैं। इसमें संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट व प्रबंध पूरा करना अनिवार्य होगा। यूजी आनर्स विद एंटरप्रिन्योरशिप के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थी पात्र होंगे। 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थी भी पूर्णतः पात्र होंगे। यह विकल्प उन विद्यार्थियों के लिए है जो नवाचार, स्टार्टअप और उद्योग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। इसके तहत विद्यार्थियों को किसी प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान में 12 क्रेडिट की व्यावहारिक एंटरप्रिन्योरशिप ट्रेनिंग पूरी करनी होगी।

ये भी होंगे पात्र : यूजी आनर्स के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थी (7.5 से कम सीजीपीए वाले भी पूर्णतः पात्र) पात्र होंगे।

यह विकल्प उन विद्यार्थियों के लिए है जो शोध प्रबंध या औद्योगिक प्रशिक्षण नहीं करना चाहते, बल्कि अपने मूल विषय का गहन व उन्नत ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। इसमें 12 क्रेडिट के एडवांस्ड (उन्नत) पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे, जिनमें से 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम आनलाइन पोर्टल के माध्यम से संचालित होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. मानुका खन्ना के नेतृत्व में सात सदस्यीय उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह समिति शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट सक्षम वैधानिक निकायों के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

आठ तक करें विषय का चयन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बी.एस.सी (एन.ई.पी) के छात्र-छात्राएं लिंक (https://forms.gle/aftsi3qiRdoEuiCJ6) के माध्यम से आठ सितंबर तक विषय का चयन अवश्य कर ले। छात्र-छात्राओं के विषय चयन के संबंध में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता ने यह सूचना जारी की है। वि.

NBT

स्कूटी के लिए उमड़ीं छात्राएं

NBT न्यूज, लखनऊ : रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत चयनित छात्राओं के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होते ही बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्राओं की भीड़ उमड़ पड़ी। संबंधित कॉलेजों में दस्तावेज जमा कराने के बाद छात्राओं को एक सेट हार्ड कॉपी लेकर विश्वविद्यालय भेजा गया। यहां पहले पंजीकरण और फिर ओटीपी सत्यापन कराया गया। ओटीपी सत्यापन के लिए छात्राओं को करीब दो से तीन घंटे तक कतार में इंतजार करना पड़ा।

इससे पहले कॉलेजों ने छात्राओं से आय, निवास प्रमाण पत्र, यूजी अंतिम सेमेस्टर की मार्कशीट, अपार आईडी और आधार मांगे थे। कॉलेज में दस्तावेज जमा कराने के बाद छात्राएं एलयू के परीक्षा प्रकोष्ठ पहुंचीं। प्रथम तल पर ओटीपी सत्यापन के लिए सिर्फ दो ऑपरेटर होने के कारण यहां कतार लगी रही।

ओटीपी वेरिफिकेशन में लगा लंबा समय

'थोड़ी दौड़भाग तो करनी ही पड़ेगी': नेशनल पीजी कॉलेज की एमए की छात्रा श्रेया ने बताया कि स्कूटी लेने के लिए थोड़ी मेहनत और दौड़भाग तो करनी ही पड़ेगी। राम प्रसाद कॉलेज की बीएससी छात्रा दीपिका कुशवाहा ने बताया कि वह दोपहर दो बजे से लाइन में हैं, लेकिन स्कूटी मिलने की खुशी के आगे यह कुछ भी नहीं। एलयू और उससे संबद्ध पांच जिलों के कॉलेजों की 2,113 छात्राओं को इस योजना के तहत स्कूटी दिए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

AMRIT VICHAR

लविवि में स्नातक के चौथे वर्ष में छात्रों को अब तीन विकल्प

रिसर्च, एंटरप्रिन्योरशिप व ऑनर्स की अलग-अलग अर्हता व पात्रता शर्तें तय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों को भी मिलेगा अवसर

अमृत विचार: प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक चार वर्षीय छात्रों को तीन विकल्प उपलब्ध कराएं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे के अनुरूप विश्वविद्यालय ने अपने चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में व्यापक शैक्षणिक लचीलापन लागू किया है। अब तक चौथे वर्ष में केवल यूजी ऑनर्स विद रिसर्च का विकल्प था, जिससे 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र वंचित रह जाते थे। अब नए विकल्पों के जुड़ने से छात्रों की शैक्षणिक योग्यता व रुचि के आधार पर तीन अलग-अलग मार्ग उपलब्ध होंगे।

यूजी आर्नर्स विद रिसर्च करने का मौका छात्रों के पास होगा जिमसे पहले छह सेमेस्टर में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए या 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके लिए छात्रों को 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट, प्रबंध पूरा करना अनिवार्य होगा। दूसरा यूजी ऑनर्स विद एंटरप्रिन्योरशिप के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थी पात्र होंगे 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र भी मान्य होंगे। यह विकल्प उन छात्रों के लिए है जो नवाचार, स्टार्टअप और उद्योग क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं। यूजी ऑनर्स तीसरा विकल्प है जिसमें पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थी पात्र होंगे।

टैगोर पुस्तकालय का निरीक्षण कर कुलपति ने दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• निरीक्षण के दौरान प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी और प्रो. रोली मिश्रा रहे मौजूद

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने निरीक्षण किया और पीएम उषा परियोजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने पुस्तकालय परिसर में पीएम उषा परियोजना के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण व विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। कुलपति ने रीडिंग रूम व ऑडिटोरियम में लगी कुर्सियों की समुचित साफ-सफाई करने और पाठकों के लिए इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य पुस्तकालय की छत की आवश्यक मरम्मत शीघ्र कराने और थीसिस रूम की छत की सीमेंटिंग का कार्य त्वरित गति से पूरा करने को कहा।

इसके अलावा परिसर में उपलब्ध स्क्रैप सामग्री की सघन सफाई कराने और उसकी एक विस्तृत इन्वेंट्री तैयार करने का आदेश दिया। इस दौरान उनके साथ निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक प्रो. विनीत कुमार वर्मा और प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. रोली मिश्रा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिश्रा और पीएम उषा परियोजना से जुड़े संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि कुलपति ने किया टैगोर पुस्तकालय का निरीक्षण

• पीएम उषा परियोजना के कार्यों की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बुधवार को विश्वविद्यालय के केंद्रीय टैगोर पुस्तकालय का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक प्रो. विनीत कुमार वर्मा और प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. रोली मिश्रा, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिश्रा तथा पीएम उषा परियोजना से जुड़े संबंधित अधिकारी एवं सदस्य भी मौजूद थे। कुलपति ने पुस्तकालय परिसर में पीएम उषा परियोजना के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का गहन जायजा लिया तथा सुविधाओं को उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के संबंध में समीक्षा की।

इस दौरान कुलपति ने निरीक्षण के दौरान रीडिंग रूम एवं ऑडिटोरियम में लगी कुर्सियों की समुचित साफ-सफाई कराने और पाठकों के लिए इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य पुस्तकालय की छत की आवश्यक मरम्मत शीघ्र कराने और थीसिस रूम की छत की सीमेंटिंग का कार्य त्वरित गति से पूरा करने को कहा। परिसर में उपलब्ध स्क्रैप सामग्री की सघन सफाई कराने और उसकी एक विस्तृत इन्वेंट्री (सूची) तैयार करने का आदेश दिया। ज्ञान की अमूल्य धरोहर पुरानी पुस्तकों के सुरक्षित रख-रखाव को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यवस्थित बाईंडिंग कराने के निर्देश दिए। साइबर लाइब्रेरी में सुरक्षा मानकों के तहत 'फायर-रेसिस्टेंट डोर' स्थापित करने को कहा। परिसर में जनरेटर की व्यवस्था करने, साइबर लाइब्रेरी व टैगोर पुस्तकालय के दरवाजों/गेटों की मरम्मत व प्रतिस्थापन कराने तथा दोनों भवनों के मध्य स्थित जॉइंट/कनेक्शन की आवश्यक मरम्मत एवं टेपिंग कराने के निर्देश दिए।

लविवि: चार वर्षीय स्नातक के चौथे वर्ष में छात्रों को मिलेंगे तीन विकल्प

विशेष संवाददाता (vol)

AAJ

कुलपति ने किया टैगोर पुस्तकालय का निरीक्षण

DAINIK JAGRAN

शिष्टाचार से मिलती है पहचान, कौशल से सफलता

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में दीक्षारंभ-2026 के तीसरे दिन विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिष्टाचार और आचरण की जानकारी दी गई। आठ सितंबर तक चल रहे प्रेरण कार्यक्रम में अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रोफेसर आफ एमिनेंस प्रो. निशी पांडे ने कहा कि व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता केवल तकनीकी दक्षता से नहीं मिलती, बल्कि व्यवहार, संवाद, आत्मविश्वास और नैतिक आचरण भी महत्वपूर्ण हैं। प्रो. ऋतु नारंग ने कहा कि कौशल व्यक्ति को पहचान दिलाते हैं, जबकि शिष्टाचार उसे याद रखने योग्य बनाता है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक अपेक्षाओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

HINDUSTAN TIMES

LU STUDENTS TO GET 3 OPTIONS IN 4TH YEAR OF UG PROG

LUCKNOW: In line with the National Education Policy (NEP) 2020 and the University Grants Commission's 'Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programs' (CCFUP), Lucknow University has implemented extensive academic flexibility in its 4-year undergraduate program (FYUP). The university has established three academic pathways for students in the fourth year (seventh and eighth semesters), a spokesperson said. The university is offering a 4-year UG program from the 2021-22 academic year. Until now, the fourth year offered only the option of "UG Honours with Research", which excluded students with a CGPA below 7.5. With the addition of these new options, three distinct pathways will be available based on students' academic abilities.

Vice-chancellor Prof JP Saini said the core spirit of the NEP 2020 is to make higher education student-centred, inclusive and flexible. HTC

HINDUSTAN

एलयू में 7.5 से कम सीजीपीए पर भी चौथा साल पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के चार वर्षीय स्नातक में अब चौथे वर्ष विद्यार्थियों को तीन विकल्प मिलेंगे। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और यूजीसी के पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट ढांचे के तहत यूजी ऑनर्स विद रिसर्च, यूजी ऑनर्स विद एंटरप्रिन्योरशिप और यूजी ऑनर्स की व्यवस्था की है।

खास बात यह है कि 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों को भी चौथा वर्ष पूरा करने का मौका मिलेगा। यूजी ऑनर्स विद रिसर्च के लिए पहले छह सेमेस्टर में 7.5 सीजीपीए या 75 प्रतिशत अंक जरूरी होंगे। इसमें 12 क्रेडिट का शोध प्रबंध करना होगा। वहीं, उद्यमिता और सामान्य ऑनर्स के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करना ही पर्याप्त होगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि नई व्यवस्था विद्यार्थियों को उनकी रुचि और करियर के अनुसार विकल्प देगी।

शिष्टाचार के गुर सिखाए

एलयू के प्रबंधन विभाग में दीक्षारंभ के तीसरे दिन बुधवार को विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिष्टाचार और आचरण की जानकारी दी गई। अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस प्रो. निशी पांडे ने विद्यार्थियों को कार्य में व्यवहार, संवाद आदि के महत्व से परिचित कराया।

टैगोर पुस्तकालय की छत की मरम्मत जल्द होगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बुधवार को टैगोर पुस्तकालय का निरीक्षण कर पीएम उषा परियोजना के तहत चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पुस्तकालय की सुविधाएं बेहतर करने और लंबित काम समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। कुलपति ने रीडिंग रूम और सभागार की कुर्सियों की सफाई कराने पर भी जोर दिया।

DAINIK JAGRAN

लवि : सीट आवंटन का परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एल.एल.एम के तीसरे और एल.एल.बी के चौथे काउंसलिंग का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आवंटन सूची देखकर फीस जमा करदें, फीस जमा करने की आखिरी तिथि तीन सितंबर है। वहीं, बी.एस.सी (मैथ) एनईपी, बी.ए (एनईपी), बी.बी.ए (टी), एल.एल.बी (इंटीग्रेटेड पांच वर्ष) के आनलाइन काउंसलिंग का परिणाम आ गया है। छात्र छात्राएं तीन सितंबर तक फीस जमा कर सकते हैं। वि

AMAR UJALA

लविवि: चार वर्षीय स्नातक कोर्स में मिलेंगे तीन विकल्प

अब चौथे वर्ष में शोध, उद्यमिता और ऑनर्स के विकल्प चुन सकेंगे छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

7.5 सीजीपीए से कम अंक वाले छात्रों को भी चौथे वर्ष में मिलेगा प्रवेश

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव किया है। अब चौथे वर्ष में विद्यार्थियों को शोध, उद्यमिता और ऑनर्स के रूप में तीन शैक्षणिक विकल्प मिलेंगे। इससे 7.5 सीजीपीए से कम अंक वाले छात्रों को भी चौथा वर्ष पूरा करने का अवसर देगा।

विश्वविद्यालय सत्र 2021-22 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। पहले की व्यवस्था के अनुसार चौथे वर्ष में केवल यूजी ऑनर्स विद रिसर्च का विकल्प था। इसके लिए न्यूनतम 7.5 सीजीपीए अनिवार्य था, जिससे कई छात्र वंचित रह जाते थे। ऐसे में नए विकल्पों से छात्रों को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार मार्ग चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी। कुलपति जेपी सैनी ने कहा, नई व्यवस्था के तहत 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों के लिए भी 160 क्रेडिट की पूर्ण चार वर्षीय स्नातक डिग्री पाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों को उनके कॅरिअर लक्ष्यों के अनुसार आगे बढ़ने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी। यह बदलाव यूजीसी के पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे के अनुरूप है।

■ तीनों विकल्पों की अर्हता और स्वरूप : यूजी ऑनर्स विद रिसर्च के लिए पहले छह सेमेस्टर में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए आवश्यक है। इसमें 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट पूरा करना अनिवार्य होगा। यूजी ऑनर्स विद उद्यमिता के लिए पहले छह सेमेस्टर उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्र पात्र हैं। इसमें 12 क्रेडिट का औद्योगिक प्रशिक्षण शामिल है। यूजी ऑनर्स विकल्प भी सभी उत्तीर्ण छात्रों के लिए है, जिसमें 12 क्रेडिट के उन्नत पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे। इन उन्नत पाठ्यक्रमों में से 50 फीसदी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संचालित होंगे।

■ सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन : इस नई त्रि-मार्गीय व्यवस्था का विस्तृत शैक्षणिक विनियम बनाने के लिए प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में सात सदस्यीय उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई गई है। यह समिति क्रेडिट संरचना, उद्योग से जुड़ाव की रूपरेखा और कार्यान्वयन के दिशानिर्देश तैयार करेगी। समिति जल्द ही अपनी रिपोर्ट सक्षम वैधानिक निकायों को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगी।

AMAR UJALA

शिया कॉलेज में स्नातक की 33 फीसदी सीटें बढ़ीं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि की स्वीकृति के बाद शिया कॉलेज में बीए, बीकॉम और बीएससी पाठ्यक्रमों की सीटों में 33 फीसदी की वृद्धि की गई है। इन बढ़ी हुई सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। इससे पहले बीए की 1046, बीएससी की 550 और बीकॉम की 700 सीटों पर प्रवेश हो चुके हैं।

महाविद्यालय ने बीए, बीकॉम और बीएससी (गणित एवं जीव विज्ञान वर्ग) में प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय की वेबसाइट shiapgcollege.ac.in और shiacollege.org के जरिये आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा महाविद्यालय से भी सुबह 10:30 से शाम 4:30 बजे तक आवेदन पत्र प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अलावा बीबीए की 60, एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की 300 और बीएएलएलबी की 60 सीटों पर भी पहले ही प्रवेश हो चुके हैं।

प्रवेश निदेशक एमएम अबु तैय्यब ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को पहले सीट नहीं मिली थी, वे भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों को जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी। यह प्रक्रिया सीटें भरने तक जारी रहेगी। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए ईमेल admissions@shiapgcollege.ac.in पर संपर्क करें। किसी भी तरह की सहायता के लिए मोबाइल नंबर 9682815122 और 8090033896 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

बढ़ी हुई सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होंगे प्रवेश

आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर

AMAR UJALA

विद्यार्थियों को बताए सफलता के मंत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में चल रहे दीक्षारंभ 2026 प्रेरणा कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को व्यावसायिक शिष्टाचार और आचरण पर सत्र का आयोजन किया गया। अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रो. निशी पांडेय ने कॉर्पोरेट जगत में सफलता के लिए तकनीकी दक्षता, व्यवहार और संप्रेषण के महत्व पर जोर दिया। प्रो. ऋतु नारंग ने कहा, कौशल व्यक्ति को पहचान दिलाते हैं, जबकि शिष्टाचार व्यक्ति को याद रखने योग्य बनाता है। आयोजन आठ सितंबर तक चलेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

छह पाठ्यक्रमों की सीट आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 में स्नातक प्रवेश के तहत छह पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन काउंसिलिंग का सीट आवंटन सूची जारी कर दी गई है। विवि की ओर से बुधवार को जारी सूचना के अनुसार, बीएससी गणित (एनईपी) की छठी, बीए (एनईपी) की छठी, बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी) की आठवीं, एलएलबी (इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय) की दसवीं, एलएलएम की तीसरी और एलएलबी की चौथी सीट आवंटन सूची जारी की गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि सीट आवंटन परिणाम विवि की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। सीट आवंटित होने के बाद अभ्यर्थियों को बृहस्पतिवार को रात 12 बजे तक ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन कराना अनिवार्य है। (माई सिटी रिपोर्टर)